राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 341 | जौनपुर गुरूवार, 31 जुलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

2017 के पहले चीन के माल से पटा पड़ा था यूपी का बाजार : योगी सीएम

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले यूपी का बाजार त्योहारों पर चीन के सामान से पटा हुआ था। आज चीन के उत्पाद से ज्यादा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) का उप्पाद बिक रहा है। 2017 के पहले भी प्रदेश में ओडीओपी बड़े पैमाने पर थे लेकिन तब उस समय की सरकारें नहीं समझ पाईं क्योंकि उनके लिए परिवारवाद ही सर्वोपरि था। वो लोग लगातार प्रदेश के एमएसएमई उद्योगों को बंद करने की साजिश का हिस्सा बन गए थे पर अब सरकार युवाओं को उद्यमी बनने के लिए मदद कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित युवा कॉन्क्लेव में कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अब युवाओं के लिए जॉब लेने नहीं बल्कि देने का माध्यम बन गई है। सक्सेस स्टोरी सुनकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। एक ऐसी स्कीम जिसका ब्याज और गारंटी सरकार दे रही है। दस फीसदी मार्जिन मनी का लाभ भी सरकार दे रही है। इसी का परिणाम है कि 2751 करोड़ रुपए 68000 युवाओं को दिए गए। ये यूपी का पोटेंशियल है। ऐसे लाखों युवा यूपी में हैं, जो अलग अलग सेक्टर में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्विद्यालय टापू जैसा बन गए। उन्हें स्टेट और सेंट्रल की योजनाओ की जानकारी नहीं होती। वहां से निकला युवा चौराहे पर खड़ा होकर असमंजस में होता है फिर बिना जानकारी के लोन लेता है लेकिन ज्ञान न होने के कारण कर्ज के बोझ तले दब जाता है जिनके पास ज्ञान होता है, उनके पास पैसा नहीं होता। ऐसी सभी समस्याओं का समाधान सीएम युवा योजना है। विश्विद्यालय के साथ एमओयू इसीलिए किए गए हैं कि वहां पढ़ रहे बच्चों को राज्य और केंद्र योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके पहले सीएम योगी ने युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो 2025 का शुभारंभ किया है। यह दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम युवा उद्यमी अभियान रोजगार को युवाओं से जोड़ने की परिकल्पना है। इसे एक साल पहले लॉन्च किया गया था जिसके इतने जबरदस्त रिस्पांस की उम्मीद नहीं थी। हम आज 150 नए आईडिया दे रहे हैं। ये सक्सेसफुल बिजनेस आइडिया हैं जो पांच लाख रुपए से शुरू किए जा सकते हैं।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आ रहीं आगरा

आगरा, (एजेंसी)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बुधवार दोपहर दो बजे आगरा आएंगी। राज्यपाल दो दिन शहर में रहेंगी। विभिन्न कार्यक्रमों और बैठकों में शामिल होंगी। राज्यपाल के आगमन के लिए मंगलवार को दिनभर नगर निगम, जिला प्रशासन व विश्वविद्यालय के अधिकारी तैयारियों में जुटे रहे। कन्नौज से सड़क मार्ग से राज्यपाल बुधवार दोपहर 2:15 बजे आगरा पहुंचेंगी। 3:15 बजे रमाडा कट स्थित होटल पहुंचेंगी। वहां नेशनल चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स के 77वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगी। बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल करीब दो घंटे तक समारोह में रहेंगी। शाम 5:30 बजे सदर बाजार स्थित क्वींस मैरी लाइब्रेरी का उद्घाटन करेंगी। करीब तीन करोड़ की लागत से लाइब्रेरी का जीर्णोद्धार कराया गया है। राज्यपाल शाम 6 बजे विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस जाएंगी और वहीं रात्रि प्रवास करेंगी। बृहस्पतिवार सुबह 9 बजे डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारियों संग बैठक करेंगी। दोपहर 12 बजे से सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों संग बैठक होगी। दोपहर एक बजे भोज होगा।

संक्षिप्त खबरें

प्रियंका और कई सांसदों ने छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और केरल के कुछ अन्य पार्टी सांसदों ने छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी के खिलाफ बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है। प्रियंका गांधी, कांग्रेस सांसद हिबी ईडेन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एन के प्रेमचंद्रन और कई अन्य सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने 'ईसाइयों पर अत्याचार बंद करो' के नारे लगाए। केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, ''केरल की कुछ ननों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया। दोनों पर उन अपराध का आरोप लगाया गया जो उन्होंने किया ही नहीं। उनके साथ मारपीट की गई और फिर छत्तीसगढ़ पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई। हम अल्पसंख्यकों पर इस तरह के हमलों का विरोध कर रहे हैं।'' दुर्ग में रेलवे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया था कि बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत पर नन प्रीति मेरी और वंदना फ्रांसिस के साथ सुकमन मंडावी नामक एक तीसरे व्यक्ति को 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने ननों पर नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन कराने और उनकी तस्करी करने का आरोप लगाया था।

देश के नेतृत्व ने डोनाल्ड ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। ऐसा तब हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाने को लेकर बयाव दिया है। यादव ने कहा कि ऐसा लगता है कि भारतीय नेतृत्व ट्रंप की मांगों के आगे झुक गया है और उनमें अमेरिकी राष्ट्रपति के संभावित झूठों को उजागर करने का साहस नहीं है। यादव ने भारत सरकार से ट्रंप की टिप्पणियों के जवाब में कड़ा रुख अपनाने का आग्रह किया और भारत के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे हमारे देश का नेतृत्व डोनाल्ड ट्रंप के सामने घुटने टेक चुका है। उनमें यह कहने की भी हिम्मत नहीं है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कल कहा कि भारत अमेरिका से आने वाले सामानों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भी कम से कम 20: टैरिफ लगाएगा। भारत सरकार को इस संबंध में एक कड़ा कदम उठाने की जरूरत है। अमेरिका और भारत व्यापार वार्ता में लगे हुए हैं।

राकेश टिकैत ने बिहार में एसआईआर का किया समर्थन

सुल्तानपुर, (एजेंसी)। पश्चिमी यूपी में अपनी अलग धाक रखने वाले किसान नेता राकेश टिकैत मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने सुल्तानपुर पहुंचे। जहां से निकलने के बाद वह लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस पहुंचे जहां पर मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने बिहार में चुनाव आयोग के एसआईआर का समर्थन करते हुए यूपी की पूर्व सीएम मायावती को नम्बर एक सीएम बताया। इस दौरान उन्होंने बिहार में एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा कि जो बाहर का होगा उसे दिक्कत होगी, जो वहां का है, उसे कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जो सरकार के खिलाफ बोलता है। सरकार उसको तवज्जो कहां देती है। योगी सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर किसान नेता राकेश टिकैत ने तंज कसते हुए कहा कि मायावती किसानों के लिए नंबर वन मुख्यमंत्री थीं। उन्होंने गन्ना किसानों के लिए बेहतर कार्य किया था। बाबा भी किसानों के लिए बेहतर कार्य करके नंबर वन बनें। वहीं, ओवैसी द्वारा सदन में सरकार को कटघरे में खड़ा करने के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि वह उन्हीं का आदमी है। ओवैसी जैसे लोगों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। प्रियंका गांधी के ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाए जाने पर राकेश टिकैत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर हाउस में बहस चल रही है। सरकार को उसे पर जवाब देना है कि सरकार ने इतनी बड़ी घटना पर क्या किया। वहीं, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर किसान नेता राकेश टिकैत ने सवाल उठते हुए कहा जैसे लोग नौकरी में छुट्टी में लेते हैं वैसे ही इनसे इस्तीफा लिया गया, जिसका रिटायरमेंट होता है उसकी भी फेयरवेल पार्टी होती है और विदाई भाषण देता है। वहीं, सरकार से किसानों की मांग पर राकेश टिकैत ने कहा कि एमएसपी गारंटी कानून देश में आना चाहिए। बिजली को प्राइवेट नहीं होना चाहिए।

प्रदेश के बिजली कर्मियों के अवकाश पर 30 सितंबर तक लगी रोक

लखनऊ, (एजेंसी)। बरसात के मौसम को देखते हुए बिजली कर्मचारियों के अवकाश पर 30 सितंबर तक रोक लगा दी गई है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंधक निदेशक ने इसका आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि बरसात के मौसम में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए 30 सितंबर तक किसी भी कर्मचारी को कोई अवकाश नहीं दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बरसात की वजह से होने वाली फॉल्ट को लेकर यह फैसला किया गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा बिजली व्यवस्था पर उठाए गए सवाल पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जवाब दिया है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि इन दिनों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को बिजली को लेकर चिंता सता रही है। इन दोनों ने अपने लंबे शासनकाल में इसकी एक चौथाई भी चिंता की होती तो भाजपा को विरासत में देश और प्रदेश की ऐसी खस्ताहाल व्यवस्था नहीं मिली होती। उन्होंने कहा कि फेक वीडियो चलाकर, वीडियो की गलत एडिटिंग अव्यवस्था दिखाई जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह का करेंगी उद्घाटन

रांची, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई को झारखंड दौरे पर आएंगी। अपनी इस यात्रा के दौरान वे देवघर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह का उद्घाटन करेंगी। यह अवसर राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है, क्योंकि देवघर एम्स झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा दे रहा है। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और तैयार है। राजधानी रांची में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक की सभी अप्रोच सड़कों पर बैरिकेडिंग की गई है। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे–चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई है। अपने झारखंड दौरे के दूसरे दिन यानी 1 अगस्त को राष्ट्रपति धनबाद स्थित आईआईटी–आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। यह संस्थान खनन, भू–विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में देश का प्रमुख तकनीकी शिक्षण केंद्र है।

ट्रंप के संघर्ष विराम के दावों पर जयशंकर ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष के सवालों के जवाब दिए। अपने वक्तव्य में विदेश मंत्री ने साफ कहा कि संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16 जून 2025 के दौरान कोई बातचीत नहीं हुई। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावों पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा और हंगामा किया। इस पर जयशंकर ने विपक्षी सांसदों से कहा कि श्मैं उनको कहना चाहता हूं, वे कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच एक बार भी फोन पर बात नहीं हुई। जयशंकर ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय नीति है कि कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए। पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से संघर्ष विराम का अनुरोध किया गया था। जयशंकर ने कहा कि श्जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ तो कई देश यह जानना चाहते थे कि स्थिति कितनी गंभीर है और ये हालात कब तक चलेंगे, लेकिन हमने सभी को एक ही संदेश दिया कि हम किसी भी मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं हैं। हमारे और पाकिस्तान के बीच कोई भी समझौता द्विपक्षीय तौर पर ही होगा। हम पाकिस्तानी हमले का जवाब दे रहे हैं, और देते रहेंगे। अगर यह लड़ाई रुकनी है, तो पाकिस्तान को इसका अनुरोध करना होगा और यह अनुरोध केवल डीजीएमओ के माध्यम से ही आ सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और सिंधु जल समझौता, मुंबई आतंकी हमला और चीन–पाकिस्तान गठजोड़ पर विपक्षी पार्टी की तीखी आलोचना की। सिंधु जल समझौता स्थगित करने के सरकार के फैसले पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने काह कि शसिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में ऐसे किसी भी समझौते के बारे में नहीं जानता, जहां किसी देश ने अपनी प्रमुख नदी के पानी को दूसरे देश में बहने दिया। जयशंकर ने इसके लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने अपने देश के हितों की अनदेखी कर पड़ोसी देश के हितों का ध्यान रखा था।

उधम सिंह की शहादत की वर्षगांठ पर सार्वजनिक अवकाश घोषित

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने शहीद उधम सिंह की शहादत वर्षगांठ मनाने के लिए 31 जुलाई को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पहले यह एक प्रतिबंधित अवकाश था, लेकिन अब शहीद उधम सिंह की विरासत को सम्मान देने के लिए इसे राजपत्रित अवकाश घोषित किया गया है। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर घोषणा की है कि इस दिन राज्य भर के सभी सरकारी कार्यालय, बोर्ड, निगम और शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। आप के जलालाबाद विधायक जगदीप कंबोज गोल्डी के साथ मौजूद अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रीय राजमार्ग के पटियाला–भवानीगढ़ खंड का नाम शहीद उधम सिंह के नाम पर रखने के लिए केंद्र को पत्र लिखा है। भवानीगढ़–सुनाम–भीखी–कोट शमीर मार्ग का नाम उनके सम्मान में पहले ही बदला जा चुका है। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार 31 जुलाई को उधम सिंह के जन्मस्थान, संगरूर जिले के सुनाम में एक राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करेगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री मान के साथ, इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और क्रांतिकारी को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस घोषणा की आम आदमी पार्टी के नेताओं और पंजाब के कई नागरिकों ने सराहना की है।

सरकार का डर देख अच्छा लगता है - तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पर भी अपना क्रेडिट ले लिया और कहा कि मैंने 17 महीने स्वास्थ्य मंत्री रहते आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू दी थी जो अंतिम स्टेज में थी लेकिन तब तक सरकार और मुख्यमंत्री आदतन पलटी मार गए। ये निकम्मी एनडीए सरकार उस पर भी दो साल से कुंडली मार कर बैठी रही। अब आखिरकार इन्हें आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की हमारी इस मांग के सामने भी झुकना ही पड़ा। तेजस्वी यादव ने कहा कि यहां सरकार ने चालाकी करते हुए हमारी इस मांग को पूर्णरूपेण लागू नहीं किया। इनको प्रोत्साहन राशि नहीं बल्कि मानदेय मिलना चाहिए। हम इन्हें मानदेय देंगे। अब इस सरकार को आंगनवाड़ी सेविकाध्सहायिका और रसोइयां के मानदेय में भी बढ़ोतरी करने की हमारी मांग को भी मजबूरन मानना ही पड़ेगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारे 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में ही हमने विकास मित्र, शिक्षा मित्रध टोला सेवक, तालीमी मरकज और पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी मांगों, घोषणाओं, वादों, इरादों और दावों को देखकर इस नकलची, थकी–हारी, दृष्टिहीन और विजन रहित सरकार का डर देखकर अच्छा लगता है। ये डर अच्छा है लेकिन 20 साल तक क्या यह मूंगफली छील रहे थे? यही सरकार, इनके नेता–मंत्री और अधिकारी जो हमारी घोषणा का मखौल उड़ाते थे वो अब सत्ता जाते देख दौड़ रहे है। सब कुछ तेजस्वी का ही नकध्ल करोगे या अपनी भी अक्ल लगाओगे? बता दें कि बुधवार सुबह ही सीएम नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ने का एलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को अब एक हजार रुपये की जगह तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी।

बाढ़ राहत अभियान से केंद्रीय मंत्री सिंधिया के समन्वय से बढ़ी गति

गुना, (एजेंसी)। गुना संसदीय क्षेत्र में हालिया अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ स्थिति पर केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गंभीर संज्ञान लिया है। गुना और शिवपुरी जिलों के कलेक्टरों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली जा रही है। शिवपुरी जिले के बदरवास और कोलारस सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में फंसे नागरिकों को निकालने के लिए एयरलिफ्ट ऑपरेशन की तैयारी शुरू हो चुकी है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य केंद्रीय गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की सतत निगरानी में संगठित और प्रभावी ढंग से जारी हैं। सिंधिया ने बताया कि वे लगातार गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के साथ संपर्क में हैं। राहत कार्यों को गति देने के लिए उन्होंने रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, एयर वाइस मार्शल विक्रम गौड़ और एओसी मनीष शर्मा से चर्चा कर आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया है। वे निरंतर जिला प्रशासन और भारतीय वायुसेना के संपर्क में हैं। साथ ही, प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी स्थितियों की नियमित जानकारी साझा की जा रही है। आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त सहायता हेतु समन्वय लगातार जारी है। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर राहत कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। सिंधिया ने कहा हर नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है, और हमारा प्रयास निरंतर इसी संकल्प के साथ जारी है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देशों के तहत, अशोकनगर, गुना और शिवपुरी जिलों में प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय है। जिलाधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के समन्वय से प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस अभियान के तहत बाढ़ में फंसे ग्रामीणों और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया जा रहा है।

संपादकीय

थकी–तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जतायी है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतरू कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे–धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल–पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया।

एआई से पारंपरिक शिक्षा को कितना खतरा

गोपल

एआई तकनीक मौलिक चिंतन की जगह नहीं ले सकती है। वह एक कैल्कुलेटर की तरह गणनाएं कर सकती है, खुद में दर्ज डाटा की स्मृतियों के बल पर एक सवाल के कई जवाब दे सकती है, उनमें हर बार कोई नयापन ला सकती है, लेकिन जब बात किसी नई स्थिति में मौलिक उपाय सुझाने की आती है, तो मामला फंस जाता है। करीब पौने तीन साल पहले 30 नवंबर, 2022 को जब ओपन एआई नामक कंपनी ने कृत्रिम बुद्धिमता यानी

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, एआई संचालित पहला भाषाई चौटबॉट–चौटजीपीटी लॉन्च किया था, तो सनसनी फैलाने वाले इस आविष्कार को लेकर सबसे तीखी प्रतिक्रियाएं शिक्षा जगत से ही मिली थीं। पदार्पण के पांच दिनों के अंदर दुनिया भर में चौटजीपीटी के दस लाख लोगों के ग्राहक बनने के बावजूद शुरुआती दिनों में ही अमेरिका में कुछ विश्वविद्यालयों में चौटजीपीटी के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी गयी थी। न्यूयॉर्क और सिएटल स्थित विश्वविद्यालयों–कॉलेजों के प्रशासन ने सुनिश्चित किया था कि उनके छात्र कैंपस में मौजूद रहने के दौरान अपने स्मार्टफोन और लैपटॉप तथा सर्वर से जुड़े कंप्यूटरों पर चौटजीपीटी नहीं खोल पाएं। अभी इस चर्चा का महत्व यह है कि चौटजीपीटी को वजूद में लाने वाली कंपनी– ओपनएआई के संस्थापक और सीईओ सैम ऑल्टमैन ने दावा किया है कि जिस तेजी से एआई तकनीक दुनिया में पांव पसार रही है, उन्हें नहीं लगता कि उनका बेटा आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज जाएगा। वैसे तो भारत से ज्यादा ऑल्टमैन का बयान अमेरिकी–यूरोपीय विश्वविद्यालयों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि उच्च स्तरीय शिक्षा मानकों वाली पढ़ाई के बल पर वे दुनिया भर के छात्रों के आकर्षण के केंद्र में रहे हैं। दूसरी बार सत्ता में आए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रवासियों के मुद्दे और अमेरिकी विश्वविद्यालयों में वैचारिक स्वतंत्रता को लेकर जिस तरह की भिड़ंत के मूड में हैं, अगर उसे दरकिनार रख दें तो इन मुल्कों के आला दर्जे के विश्वविद्यालयों की प्रतिष्ठा अभी तक तो बची रही है। लेकिन एआई के तरह–तरह के मॉडल बनाने वाली कंपनियां जिस तेजी से शिक्षा के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं, उससे ऑल्टमैन द्वारा खड़ी की गई यह चेतावनीपूर्ण आशंका अपनी जगह सही लगती है कि पारंपरिक शिक्षा का भविष्य सच में खतरे में है। अध्यापकों के लिए चुनौती यह है कि कैसे वे अपने छात्रों को एआई के इस्तेमाल से रोकें। स्कूल–कॉलेज के सामान्य पाठ्यक्रमों में ही नहीं, पीएचडी के लिए शोधकार्य कर रहे छात्र तक धड़ल्ले से एआई की मदद अपने शोधपत्र आदि में ले रहे हैं। ऐसा एक चर्चित मामला अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय का है, जहां पीएचडी के एक छात्र को परीक्षा में एआई के इस्तेमाल का दोषी पाते हुए निष्कासित कर दिया गया था। शोधकार्यों की जटिलता, पवित्रता और महत्ता के मद्देनजर इस कार्रवाई को उचित ठहराया जा सकता है, हालांकि छात्र ने एआई संबंधी जांच में अनियमितता का आरोप लगाते हुए विश्वविद्यालय पर उचित प्रक्रिया नहीं अपनाने और प्रोफेसर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इससे उलट एक मामला नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी का है, जहां एक वरिष्ठ छात्रा ने अपने प्रोफेसर के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई कि पढ़ाने के लिए उन्होंने जिस सामग्री का इस्तेमाल किया, वह हूबहू एआई टूल्स से तैयार की गई थी। छात्रा ने इस आधार पर अपनी ट्यूशन फीस वापसी की मांग की। प्रोफेसर ने कई एआई के इस्तेमाल की बात स्वीकार की और पारदर्शिता की जरूरत को माना। इन घटनाओं की रोशनी में देखें, तो ऑल्टमैन जिस चुनौती और आशंका की बात कह रहे हैं, वह अपनी जगह सही लगती है। इसका अहसास होता है कि जिस तरह से और जिस तरह की शिक्षा ऊंचे से ऊंचे विश्वविद्यालयों में दी जा रही है, अगर उसका ढर्रा नहीं बदला गया, तो छात्र अगले पांच–सात वर्षों में एआई गुरु के पांव लगते ही नजर आएंगे। इसलिए पारंपरिक शिक्षा के केंद्रों और मॉडल को बचाना है, तो जिस युद्ध स्तर पर एआई उसे खत्म करने पर तुला है, उससे कई गुना ज्यादा ताकत से उसे बचाने की जंग छेड़नी होगी। प्रश्न है कि फिर ऐसा क्या करना होगा, जिससे उच्च शिक्षा की नैतिकता, पवित्रता और अक्षुण्णता कायम रह सके। हमें ठहरकर सोचना होगा कि आखिर उच्च शिक्षा मूल स्वरूप में अपने छात्रों को क्या देती है। आज जिस तरह का शिक्षा का मॉडल हमारे देश में अपनाया जा रहा है, उसमें उच्च शिक्षा का मतलब रैंकिंग और तरह–तरह के सितारे लगाने वाली शोध प्रणाली को अपनाने पर जोर है, वह कागजों पर आला दर्जे की लगती है।

प्राकृतिक खेती व सरस रिश्ते से बनेगी बात

सोहन

कुछ लोग कहते हैं कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादन कम होता है, पर मेहनत व सूझबूझ से कार्य किया जाए तो प्राकृतिक खेती में कम खर्च पर भी अच्छा उत्पादन हो सकता है व उत्पादन की गुणवत्ता कहीं बेहतर होती है। पंजाब, हरियाणा व पश्चिम उत्तर प्रदेश के गांवों को एक समय देश के समृद्ध गांवों में माना गया, पर धीरे–धीरे यह स्पष्ट होता गया कि मिट्टी के प्राकृतिक उपजाऊपन में कमी, जल–स्तर नीचे जाने, पर्यावरण की क्षति, नशे में वृद्धि, जैसे कारणों से यहां की समस्याएं बढ़ रही हैं। समाज–सुधार व संतुलित विकास के मिलन की यहां बहुत जरूरत है, पर इसके अभाव में लोगों के दुख–दर्द कम नहीं हो पा रहे हैं। अतः आज सुधार व विकल्पों पर अधिक ध्यान देने से जरूरत है। कृषि में खर्च कम करने पर और प्राकृतिक खेती के प्रसार पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मिट्टी का प्राकृतिक उपजाऊपन लौटना चाहिए। इसमें उपस्थित केंचुए व सूक्ष्म जीव लौटने चाहिए। जल का अत्यधिक दोहन नहीं करना चाहिए। साथ में वर्षा के जल संरक्षण के उपाय सभी गांवों में अपनाने चाहिए। परागीकरण व अन्य प्राकृतिक क्रियाओं में मददगार कीट पतंगों व पक्षियों की रक्षा होनी चाहिए। कुछ लोग कहते हैं कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादन कम होता है, पर मेहनत व सूझबूझ से कार्य किया जाए तो प्राकृतिक खेती में कम खर्च पर भी अच्छा उत्पादन हो सकता है व उत्पादन की गुणवत्ता कहीं बेहतर होती है। कम भूमि हो तो भी विविधा फसलों का उत्पादन इस तरह के फसल चक्र व मिश्रित पद्धति से होना चाहिए ताकि विभिन्न फसलें एक–दूसरे की पूरक हों। लेखक देश के विभिन्न भागों में ऐसे कितने ही छोटे किसानों से मिल चुका है जो कम भूमि का ही उत्तम उपयोग करते हुए वर्ष में बीस–तीस तरह के उत्तम गुणवत्ता के अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी, फल, मसाले आदि प्राकृतिक पद्धति से उगा रहे हैं व प्रसन्न हैं। किसान कम खर्च की तकनीक अपनाएं तभी कर्ज मुक्त रह सकेगा व किसान का कर्ज मुक्त रहना सबसे जरूरी है। दूसरी मुख्य बात यह है कि एक समग्र नशा विरोधी अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। इसके अंतर्गत महिलाओं के नेतृत्व व युवाओं की भागीदारी से सभी तरह के नशोंकृ शराब, तंबाकू, बीड़ी–सिगरेट, गुटखे, ड्रग, चिट्टे, नशीली दवा आदि के विरोध का

अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। गांव में ऐसा माहौल बनना चाहिए कि नशे की भावना न्यूनतम हो सके। गांव में सभी सदस्यों में एकता व भाईचारा बढ़ना चाहिए। सभी आपसी मेलजोल से, व एक–दूसरे का सहयोग करते हुए चलेंगे तो बहुत सी नाहक उत्पन्न हुई समस्याएं अपने आप दूर हो जाएंगी, जीवन सुखद हो जाएगा, तनाव कम हो जाएंगे व मिल–जुलकर ग्राम–सुधार के रचनात्मक कार्य करने की संभावना बढ़ जाएगी। महिलाओं को आगे आने व गांव के समाज–सुधार का नेतृत्व संभालने के अवसर अधिक मिलने चाहिए। शादी–ब्याह, मौज–मस्ती, दहेज, लेन–देन पर जो खर्च बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें कम करना बहुत जरूरी है। एक समय था जब गांव समुदाय की पहल पर ही कई सुधार कार्य हो रहे थे पर अब यह कम हो गए हैं व तरह–तरह की फिजूलखर्ची होने के कारण कई परिवार कर्ज के संकट में फंसते जा रहे हैं। हमें जीवन की खुशियों को बेहतर सामाजिक व पारिवारिक संबंधों से प्राप्त करना चाहिए व इसके लिए फिजूलखर्ची पर निर्भर नहीं होना चाहिए। गांवों में छोटे–मोटे सभी झगड़ों का निपटारा ग्राम स्तर पर न्यायसंगत ढंग से करने का प्रयास करना चाहिए व व्यर्थ की मुकदमेबाजी व झगड़ों को लंबा खींचने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। कोई भूस्वामी हो या भूमिहीन, इस जाति का हो या उस जाति का, गांव समुदाय के अभिन्न अंग के रूप में सभी को सम्मान मिलना चाहिए व अपेक्षाकृत साधन–सम्पन्न परिवारों का भरसक प्रयास यह होना चाहिए कि यदि गांव में कोई भी परिवार अधिक अभावग्रस्त व समस्याग्रस्त है तो प्राथमिकता के आधार पर उस परिवार की अधिक सहायता की जाए। पंचायतों व समाज–सुधार संस्थाओं को अधिकतम लोगों की भागीदारी प्राप्त कर सामूहिक भलाई, पर्यावरण रक्षा व समाज–सुधार के अनेक रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। एक बड़ी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि सामान्य सहमति बनाकर हर तरह की महिला–विरोधी हिंसा को गांव में पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। इस तरह गांवों में अनेक तनावों व अनेक तरह की क्षति को बहुत कम किया जा सकता है। आश्चर्य है कि जब गांव की व उसके आसपास इतने रचनात्मक कार्यों की संभावनाएं हैं तो इसकी उपेक्षा क्यों हो रही है। इन प्रयासों में बुजुर्गों व युवाओं, महिलाओं व पुरुषों, बच्चों व किशोर–किशोरियों सभी की रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए। बुजुर्गों का आशीर्वाद सदा प्राप्त करना चाहिए पर साथ में बुजुर्गों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे सुधार की राह में बाधा न बनें।

.... विविध ....

अस्थमा में राहतकारी इनहेलर का उपयोग

अस्थमा रोग का प्रसार सभी देशों में है और कई वजहों से यह और बढ़ सकता है। हालिया शोध के मुताबिक, इसकी व्यापकता, प्रभावित वर्ग और असर का स्तर सभी देशों के बीच, और उनके भीतर, अलग–अलग है। इसमें खांसी, घरघराहट और श्वास में परेशानी होती है। इनहेलर तक पहुंच बढ़ने के चलते अस्पताल में भर्ती कम हुई वहीं स्कूल व काम में हाजिरी बढ़ी है। दुनियाभर में लगभग 30 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं। यह बताया गया है अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'लैंसेट' के एक नवीनतम शोध पत्र में। वर्तमान स्थिर स्थिति के बावजूद, जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और वृद्धावस्था के कारण इस रोग का बोझ बढ़ने की संभावना है। रोग की शुरुआत समय से पहले जन्मे बच्चों, कम वजन वाले शिशुओं, वायरल संक्रमण, गर्भ में पैसिव धुएं के संपर्क, शहरीकरण और अन्य व्यावसायिक जोखिम से जुड़ी है। यह जानकारी यूरोप, एशिया (भारत में जयपुर सहित), अफ्रीका, अमेरिका, मध्य पूर्व और ओशिनिया के अस्थमा विशेषज्ञों द्वारा 'अस्थमा रू महामारी विज्ञान, जोखिम कारक और रोकथाम एवं उपचार के अवसर' शीर्षक से एक संयुक्त शोधपत्र में दी गई है। लेखक–सह–शोधकर्ता पैनल में डॉ. शमथि एम जयसूर्या, ग्राहम डेवेरेक्स, प्रोफेसर जोन बी सोरियानो, डॉ. निष्ठा सिंह (जयपुर से), प्रोफेसर रेफिलो मासेकेला, प्रोफेसर केविन मोर्टिमर और प्रोफेसर पीटर बर्नी शामिल हैं। यह दीर्घकालिक श्वसन रोगों के वैश्विक महामारी विज्ञान पर चार शोधपत्रों की शृंखला का दूसरा शोधपत्र है। बता दें कि अस्थमा की विशेषता वायु प्रवाह में परिवर्तनशील रुकावट है और यह खांसी, घरघराहट और श्वास कष्ट के लक्षणों के साथ–साथ वायुमार्ग में सूजन और अति–संवेदनशीलता से भी जुड़ा है।

देशों के बीच अस्थमा प्रसार का भिन्न स्तर

अस्थमा का प्रसार देश के अनुसार अलग–अलग होता है, जो एक प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक होता है, और विशेष रूप से अमेरिका, ब्रिटेन और पुर्तगाल में यह दर बहुत अधिक है। इसके विपरीत, नेपाल, भारत, बांग्लादेश, म्यांमार और इंडोनेशिया में अस्थमा से मृत्यु दर सबसे अधिक है। यद्यपि उप–सहारा अफ्रीका में मृत्यु दर दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया की तुलना में कम है, फिर भी वे इस क्षेत्र की कम प्रसार दर की तुलना में उच्च बनी हुई है। देश के भीतर अस्थमा प्रसार वितरण में अंतर देशों के बीच के अंतर से भी अधिक है। मोटापा अस्थमा की बढ़ती घटनाओं और गंभीरता से जुड़ा है, जबकि छोटे एलर्जेन कणों के संपर्क में आने से गंभीर बीमारी होती है।

लक्षणों को नियंत्रित करने के उपाय

वयस्कों और किशोरों में, अस्थमा के लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए फॉर्मोटेरोल (सूजन–रोधी उपचार के रूप में) के साथ इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के संयोजन की व्यापक रूप से अनुशंसा की जाती है। बच्चों के लिए, कम खुराक वाले इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स को प्राथमिक उपचार के रूप में प्राथमिकता दी जाती है। अल्पकालिक "–एगोनिस्ट के साथ मोनोथेरेपी की सख्त मनाही है। गैर–संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक कार्य योजना में अस्थमा के लिए किफायती संयोजन इनहेलर की उपलब्धता शामिल है। समन्वित राष्ट्रीय अस्थमा नीतियों, इनहेलर तक पहुंच सुनिश्चित करने के परिणामस्वरूप अस्पताल में भर्ती होने और स्कूल व काम से अनुपस्थिति कम हुई है। भविष्य में अस्थमा के प्रसार को अच्छी मातृ एवं शिशु देखभाल, समय से पहले जन्मों में कमी, शिशु श्वसन संक्रमण में कमी, और सभी उम्र में मोटापे में कमी के साथ कम किया जा सकता है।

भारतीय शहरों में बच्चे ज्यादा प्रभावित

एशिया में अस्थमा के प्रसार की एक विविध तस्वीर प्रस्तुत होती है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में, अस्थमा का प्रसार अपेक्षाकृत कम है, लगभग 2–5 प्रतिशत। इसके विपरीत, चीन और भारत के शहरी क्षेत्रों में, विशेष रूप से बच्चों में, इसकी व्यापकता दर बहुत अधिक है।

कॉर्टिकोस्टेरॉइड सेवन का पॉजिटिव असर

जयपुर स्थित अस्थमा भवन की सीईओ निष्ठा सिंह के अनुसार, भारत में, आईएसएएसी (बचपन में अस्थमा और एलर्जी का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन) चरण 3 और ग्लोबल अस्थमा नेटवर्क चरण 1 के बीच, 2009 और 2022 के बीच बच्चों और किशोरों दोनों में घरघराहट की व्यापकता में उल्लेखनीय कमी आई है। घरघराहट की समस्या से पीड़ित 75–82 प्रतिशत लोगों का चिकित्सकीय निदान नहीं हो पाया। घरघराहट की समस्या से पीड़ित जिन लोगों का कोई निदान नहीं हुआ था, उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम लोग प्रतिदिन सांस द्वारा कॉर्टिकोस्टेरॉइड ले रहे थे। घरघराहट की समस्या से पीड़ित जिन लोगों का चिकित्सकीय निदान अस्थमा से हुआ था, उनमें विभिन्न आयु समूहों में प्रतिदिन सांस द्वारा कॉर्टिकोस्टेरॉइड का उपयोग 2–8 प्रतिशत तक बढ़ गया।

बदली जीवनशैली और जांच से न आएगी मासूम दिल पर आंच

बच्चों व किशोरों को सडन कार्डिएक अरेस्ट की घटनाएं बेहद चिंताजनक है। इसमें बच्चे को घबराहट, सांस में दिक्कत, धड़कन में तेजी व बेहोशी आती है और मौत हो सकती है। जिसकी प्रमुख वजह है खराब जीवनशैली व तनाव। ऐसे में पैरेंट्स सावधानी रखें। अगर बीमारी के लक्षण बच्चे में दिखें तो तुरंत मेडिकल मदद लें । इसी विषय पर फरीदाबाद स्थित एक अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट–पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी डॉ. मनीषा चक्रवर्ती से रजनी अरोड़ा की बातचीत। बीते दशक में हार्ट अटैक से मरने वालों की फेहरिस्त में कई मासूम शामिल होने की खबरें काफी देखने–सुनने को मिली। जिनकी किसी तरह की मेडिकल हिस्ट्री नहीं थी, फिर भी खेलते–खेलते सडन कार्डियक अरेस्ट होने से मौत हो गई। खेलने–कूदने की उम्र में बच्चे, बड़ों को होने वाली गंभीर बीमारियों का कैसे शिकार हुए, यह दुखदायी तो है ही, सेहत के लिए खतरे की घंटी भी है। जिसके प्रति समाज विशेषकर पैरेंट्स को सजग होने और यथाशीघ्र जीवनशैली में बदलाव लाने की जरूरत है।

सडन कार्डियक अरेस्ट

हार्ट अटैक की दशा में कोरोनरी आर्टरीज में फैट या प्लाक जमा होने से हार्ट की मसल्स ठीक तरह से काम नहीं कर पातीं। ज्यादा दवाब पड़ने से आर्टरीज फट जाती हैं। ब्लड क्लॉट बनने से आर्टरीज ब्लॉक हो जाती हैं। हार्ट तक जाने वाला ब्लड सर्कुलेशन बाधित हो जाता है और हार्ट अटैक का खतरा रहता है। जबकि बच्चों को सडन कार्डिएक अरेस्ट नॉर्मल हार्ट अटैक से अलग होता है। यह किसी भी उम्र के बच्चों (नवजात शिशु को भी) को हो सकता है। इसमें बच्चे को घबराहट, सांस लेने में दिक्कत के साथ दिल की धड़कन एकाएक तेज होती है, बेहोशी आने लगती है और एक घंटे के अंदर–अंदर मौत हो सकती है। सभी पैरेंट्स अपने बच्चे को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं। लेकिन आजकल बचपन से ही आरामपरस्त जीवनशैली और खानपान की गलत आदतें विकसित हो रही हैं। मेटाबॉलिक रेट खराब हो रहा है और मोटापा बढ़ रहा है। दस साल की उम्र तक पहुंचते–पहुंचते हार्ट आर्टरीज ब्लॉक होनी शुरू हो जाती हैं। देर–सवेर उन्हें हृदय रोग या ऐसी अन्य गंभीर बीमारियां घेर सकती हैं।

ये हैं कारण

बच्चों में हृदय की सेहत से जुड़ी समस्याओं के कई कारण है। मसलन, पैदाइशी हार्ट की बनावट खराब होना, हार्ट ब्लॉक होना। वहीं हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, ब्लड में कोलेस्ट्रॉल ट्राइग्लिसराइड लेवल ज्यादा होना व मोटापा जैसी समस्याओं की फैमिली हिस्ट्री होना। जन्म से हार्ट की मसल्स कमजोर होना, या हार्ट को ब्लड सप्लाई करने वाली नस उल्टी जुड़ी हुई होना। किसी बीमारी के बाद नसों में सूजन आना यानी कावासाकी डिजीज। हार्ट मसल्स में कैल्शियम, विटामिन डी या किसी एंजाइम की कमी होना। वहीं बच्चे में कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण हार्ट अटैक का खतरा रहता है। कई मामलों में मेटाबॉलिक गड़बड़ी के कारण बच्चों के हार्ट की पम्पिंग कम होती है जिससे शरीर में कहीं भी ब्लड क्लॉट हो सकता है जो धीरे–धीरे हार्ट आर्टरीज तक पहुंच जाता है व हार्ट अटैक का कारण बनता है। हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी की समस्या होना, जिसमें हार्ट की मसल्स मोटी और बढ़ जाती हैं, जिससे हार्ट को पंप करने में परेशानी होती है । अन्य वजह हो सकती है लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम होना जिसमें हार्टबीट कंट्रोल करने वाले इलेक्ट्रिकल सिस्टम में विकार होने से सांस लेने में दिक्कत होना। नियमित दिनचर्या न होना व मोबाइल–टीवी में ज्यादा समय बिताना, घंटों बैठे रहना। आउटडोर गेम्स खेलने जाने से कतराना। पढ़ाई का प्रेशर, अकेलापन और तनाव। पौष्टिक भोजन

न खाना।

कैसे पहचानें दिल की बीमारी को

दिल की बीमारी न सिर्फ बच्चों की विकास प्रक्रिया को प्रभावित करती है, बल्कि गंभीर जटिलताएं भी पैदा कर सकती है। अगर बच्चे में ये लक्षण दिखें तो पैरेंट्स को फौरन मेडिकल मदद लेनी चाहिए, ताकि समय पर टेस्ट और डायग्नोसिस हो सके। मसलन, कमजोर होना या विकास ठीक तरह न होना। चिड़चिड़ा होना या ज्यादा रोना। थकान–कमजोरी महसूस करना। पसीना ज्यादा आना। सांस फूलना। त्वचा का पर्पल या फिर ग्रे–ब्लू का होना जैसे होंठों, म्यूकस मेम्ब्रेन और नाखूनों का रंग बदलना। धड़कन तेज होना। घबराहट होना, चक्कर आना। खून की कमी होना। छाती–हाथ या पेट में दर्द होना।

पैरेंट्स रखें ध्यान

प्रेग्नेंसी में मां के लिए जरूरी है कि बुखार या किसी भी तरह के इंफेक्शन होने से यथासंभव बचाव करे। डॉक्टर को कंसल्ट किए बिना किसी तरह की दवाई नहीं ले। जन्मोपरांत बच्चे की हार्ट–स्क्रीनिंग जरूर करवाएं। इको कार्डियोग्राफी या हार्ट का अल्ट्रासाउंड (हार्ट की बनावट, हार्ट फंक्शन या अन्य समस्या), ऑक्सीजन सेचुरेशन (हार्ट फंक्शन), ब्लड प्रेशर का पता चल जाता है। खास बात यह कि तीन साल की उम्र से ही ब्लड प्रेशर समय–समय पर चौक करवाएं ताकि बच्चे में हाइपरटेंशन जैसी समस्या पकड़ में आ सके। वहीं मोटापे का शिकार बच्चों में लिपिड प्रोफाइल,थायरायड ,ब्लड शूगर का टेस्ट समय–समय पर जरूर करवाएं। इससे बच्चे में हार्ट संबंधी समस्या का पहले पता चल सकता है और यथासमय उपचार किया जा सकता है।

हेल्दी खाने, एक्टिव रहने की आदतें

अभिभावक अपने बच्चों को घर में बना पौष्टिक आहार खाने की आदत डालें। प्रत्येक मील में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन–मिनरल से भरपूर चीजें शामिल करें। ऑयली खाना कम दें। दिन में 4–5 गिलास पानी या कम चीनी वाले पेय पीने को दें। चीनी, नमक, मैदा और रिफाइंड ऑयल खाने से परहेज करने की आदत डालें। डब्ल्यूएचओ के अनुसार बच्चे को रोजाना 3 चम्मच से अधिक चीनी देना नुकसानदायक है।

निजी एंबुलेंस वसूल रहीं फ्लाइट से महंगा किराया, मरीजों की दलाली का चल रहा सिंडिकेट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में निजी एंबुलेंस की सेवा हवाई जहाज से कम नहीं। सुविधाएं भले हवाई जहाज की न हों, किराया उससे भी ज्यादा है। लखनऊ से दिल्ली तक लगभग 550 किमी दूरी के लिए भले ही आपको आठ से 10 हजार रुपये में रिटर्न टिकट मिल जाएगा। इसी दूरी के लिए निजी एंबुलेंस को 14 से 22 हजार रुपये देने होंगे। साधारण से लेकर लाइफ सपोर्ट सुविधाओं वाली एंबुलेंस में ये रेट अलग–अलग हो सकते हैं। आपको शायद इस बात पर आसानी से यकीन न हो, लेकिन अमर उजाला की पड़ताल में ये स्याह सच सामने आया है। मंगलवार को तीन सरकारी अस्पतालों के बाहर मौजूद निजी एंबुलेंस से मरीज को ले जाने के लिए रेट की बात की गई, जिसकी दास्तां हूबहू है। सूत्र बताते हैं कि निजी एंबुलेंस चालकों ने मरीजों की दलाली का सिंडिकेट बना रखा है। सरकारी अस्पताल से मरीजों को निजी अस्पताल में शिफ्ट कराने में इनकी सबसे अहम भूमिका होती है। इसके बदले निजी अस्पताल इन्हें मोटा कमीशन देते हैं। ऐसे कई मामले पहले सामने आ चुके हैं, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग यह सिंडिकेट तोड़ नहीं पा रहा है। अहम

बात यह है कि जिम्मेदार सरकारी अस्पतालों के बाहर से इन निजी एंबुलेंसों को हटा भी नहीं पाते हैं। कोविड के दौरान एंबुलेंसों की मनमानी बढ़ गई थी। उस दौर में ऑक्सीजन सिलेंडर का रेट बहुत अधिक था। तब स्वास्थ्य विभाग ने रेट का खाका तैयार किया था। जिलाधिकारी ने रेट पर मुहर लगाई थी। 10 किमी दायरे में एंबुलेंस के लिए 500 रुपये रेट तय हुआ था। कोविड के बाद से दोबारा एंबुलेंस के रेट तय नहीं किए गए। इसका फायदा निजी एंबुलेंस चालक उठा रहे हैं। सीएमओ स्वीकार करते हैं कि अधिकतर निजी एंबुलेंस मानकों को पूरा नहीं करती हैं। इन एंबुलेंस में सिर्फ ऑक्सीजन सिलिंडर होता है। बेसिक लाइफ सपोर्ट के साधन भी नहीं होते हैं। एडवांस कहे जाने वाली एंबुलेंस में प्रशिक्षित आपातकालीन चिकित्सा टेक्नीशियन (ईएटी) या पैरामेडिक्स मौजूद होने चाहिए, जो आपात स्थिति में मरीज को सीपीआर, और ऑक्सीजन दे सकें। आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी का कहना है कि कोरोना काल में शासन से निर्देश मिलने बाद रेट तय हुए थे। निजी एंबुलेंस पर स्वास्थ्य विभाग काकोई अधिकार नहीं है। शासन से निर्देश मिलने पर निजी एंबुलेंसों के लिए रेट का निर्धारण किया जा सकता है। डीएम से संस्तुति बाद ही नए रेट को लागू कराया जा सकता है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि कोरोना काल में शासन से निर्देश मिलने बाद रेट तय हुए थे। निजी एंबुलेंस पर स्वास्थ्य विभाग का कोई अधिकार नहीं है। शासन से निर्देश मिलने पर निजी एंबुलेंसों के लिए रेट का निर्धारण किया जा सकता है। डीएम से संस्तुति बाद ही नए रेट को लागू कराया जा सकता है।

ऑक्सीजन छोड़ अन्य मानक पूरे नहीं करतीं एंबुलेंस

सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि कोरोना काल में शासन से निर्देश मिलने बाद रेट तय हुए थे। निजी एंबुलेंस पर स्वास्थ्य विभाग का कोई अधिकार नहीं है। शासन से निर्देश मिलने पर निजी एंबुलेंसों के लिए रेट का निर्धारण किया जा सकता है। डीएम से संस्तुति बाद ही नए रेट को लागू कराया जा सकता है।

मसौली क्षेत्र में महिला सिपाही का सड़ा-गला शव मिला, घटनास्थल को सील किया गया, हत्या की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी जिले के मसौली थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक महिला सिपाही का सड़ा–गला शव बरामद हुआ। मृतका की पहचान विमलेश पाल के रूप बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शव की स्थिति बेहद खराब थी और मौके पर कव्वे उसे नोचते हुए पाए गए। यह दृश्य देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही मसौली पुलिस मौके पर पहुंची। शव की पहचान मौके से मिली पुलिस आईडी के जरिए की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी अर्पित विजयवर्गीय, सीओ गरिमा पंत, थानाध्यक्ष मसौली पुलिस बल के साथ मौके पर जांच कर रहे हैं। एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि महिला सिपाही का शव मिला है। क्राइम सीन को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। किसी भी पत्रकार या आम नागरिक को घटनास्थल के पास जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जांच के बाद पूरी जानकारी दी जाएगी। फिलहाल, मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस इसे हत्या, आत्महत्या या किसी और एंगल से भी देख रही है। पुलिस के अनुसार,महिला सिपाही विमलेश पाल का शव मसौली थाना क्षेत्र के बिंदौरा गांव के पास खेत में बने एक तालाब के किनारे पाया गया। जानकारी के बाद स्थानीय थाने की पुलिस के अलावा एसपी, एएसपी और सीओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और चारों तरफ से घटनास्थल को सील कर जांच शुरू की। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि सुबह में तैनात महिला सिपाही की ड्यूटी लोधेश्वर महादेव मंदिर के गर्भगृह में लगी थी परंतु वो वहां नहीं पहुंची। घटनास्थल से थोड़ी दूर पर हरदोई में तैनात सिपाही इंद्रेश मौर्य के नाम की स्कूटी बरामद हुई है। उन्होंने बताया की इंद्रेश की विमलेश से बात भी हुई थी। प्रथमदृष्टिया 2024 में कोतवाली नगर में सिपाही द्वारा इंद्रेश मौर्य पर बलात्कार का मुकदमा दर्ज करवाया गया था किंतु बाद में दोनों के बीच सुलह हो गई। इसके बाद इंद्रेश का तबादला हरदोई हो गया। महिला सिपाही सुल्तानपुर जिले के जैसीपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। भारी संख्या में लोग जुट गए पर पुलिस ने किसी को घटनास्थल के नजदीक नहीं पहुंचने दिया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है एवं परिवार को सूचित कर दिया गया है। पता चला है की हरदोई में तैनात इंद्रेश मौर्य 27 जुलाई से अवकाश पर है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

रामनगरी का चौमुखी विकास व फरियादियों को न्याय दिलाना नवागत कमिश्नर राजेश कुमार की प्रथम प्राथमिकता

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम नगरी विश्व के पटल पर धार्मिक नगरी उभर कर आई है।यह बातें गुरुवार को आयुक्त सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान नवागत कमिश्नर राजेश कुमार ने कहीं।उन्होंने कहा कि जिसके चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित यहां पर बहुत सारी योजनाए चल रही है।राम मंदिर होने के चलते यहां पर देश–विदेश से हजारों की संख्या मे पर्यटक पहुंच रहे है।अयोध्या का चहुमुखी विकास, रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा मुहैया कराना, जनता से अच्छी तालमेल रखना तथा उनके समस्याओं प्राथमिकता से उनकी सुविधाओं का ध्यान रखना यहां पर जो योजनाएं चल रही है उसका समय से पूर्ण कराना, जनता की समस्याओं का निराकरण करना है।उन्होंने कहा कि अयोध्या मे बहुत सारी परियोजनाए चल रही है।देश–विदेश से पर्यटक अयोध्या आ रहे है।उनकी प्राथमिकता है कि रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखा जाए।कहा कि अयोध्या में बहुत से इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य चल रहे है उन सब को गुणवत्ता पूर्वक समय से पूर्ण कराना सभी विभागों द्वारा समन्वय स्थापित करना, प्रोजेक्ट में जो समस्याएं आ रही है उनको दूर करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में है।अयोध्या जो भी श्रद्धालु पर्यटक आए एक अच्छा भाव एक अच्छा अनुभव और अच्छी अनिभूत लेकर जाएं यह प्रयास रहेगा।

कुचेरा- पिपरी जलालपुर मार्ग नहीं खुला तो होगा आंदोलन

(डाक्टर अजय कुमार तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राष्ट्रीय राजमार्ग फैजाबाद से रायबरेली मार्ग पर फैजाबाद से 20 किलोमीटर की दूरी पर कुचेरा बाजार से शाहगंज, पिपरी जलालपुर होते हुए अंबेडकर नगर से बनारस तक जाने वाले राज्य मार्ग को मीठे गांव टोल कर्मियों के प्रभाव में आकर प्रशासन द्वारा बंद कराना किसी भी दशा में उचित नहीं है।टोल कर्मियों द्वारा स्थानीय नागरिकों को गुमराह करके अनापत्ति प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर बनवा लेना जालसाजी का कार्य है जिसके विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज होनी चाहिए।उक्त मांग भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने जिला प्रशासन से करते हुए चेतावनी दिया है कि यदि अभिलंब उक्त रास्ते को पूरी तरह से खोला नहीं गया और किसी भी वाहन को उक्त रास्ते पर जाने से रोका गया तो बड़ा आंदोलन चलाया जाएगा, घनश्याम वर्मा ने कहा कि कुचेरा बाजार से पिपरी जलालपुर अंबेडकर नगर मार्ग बहुत पुराना है जिसके माध्यम से शाहगंज ,पिपरी जलालपुर ,बीकापुर, रामपुरभगन, तारुन,गोसाईगंज, टांडा, मिझौडा चीनी मिल, अंबेडकरनगर ,बनारस तक की यात्रा की जाती है मोरंग, गिट्टी की गाड़ियां भी उक्त रास्ते से आम जनता ले जाती है। मीठे गांव टोल कर्मियों के आर्थिक प्रभाव में आकर तहसील प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन उक्त रास्ते पर पिलर आदि लगाकर रास्ते को बंद करके जनता को हैरान– परेशान कर रही है जिसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घनश्याम वर्मा ने कहा कि कुचेरा बाजार से पिपरी जलालपुर मार्ग को खोलने के लिए 21 अगस्त को जिला मुख्यालय पर किसान महापंचायत की जाएगी।

प्रदेश के बिजली कर्मियों के अवकाश पर लगी रोक

लखनऊ, (संवाददाता)। बरसात के मौसम को देखते हुए बिजली कर्मचारियों के अवकाश पर 30 सितंबर तक रोक लगा दी गई है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंधक निदेशक ने इसका आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि बरसात के मौसम में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए 30 सितंबर तक किसी भी कर्मचारी को कोई अवकाश नहीं दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बरसात की वजह से होने वाली फॉल्ट को लेकर यह फैसला किया गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा बिजली व्यवस्था पर उठाए गए सवाल पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जवाब दिया है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि इन दिनों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को बिजली को लेकर चिंता सता रही है। इन दोनों ने अपने लंबे शासनकाल में इसकी एक चौथाई भी चिंता की होती तो भाजपा को विरासत में देश और प्रदेश की ऐसी खस्ताहाल व्यवस्था नहीं मिली होती। उन्होंने कहा कि फेक वीडियो चलाकर, वीडियो की गलत एडिटिंग अव्यवस्था दिखाई जा रही है। जबकि बलिया, मथुरा और सुल्तानपुर का वीडियो फेक निकला है। उन्होंने अपने कार्यकाल में बिजली सुधार के लिए किए गए विभिन्न कार्यों को भी गिनाया है। बताया कि 1.59 लाख किलोमीटर जर्जर तार पिछले तीन वर्ष में बदले गए हैं। 29 लाख नए खंभे लगाए गए हैं। इसी तरह हर तरह की व्यवस्था सुधारी गई है।

दोस्तों के साथ शराब पीने गए ट्रैक्टर चालक की हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के माल इलाके के मडवाना गांव में मंगलवार की आधी रात के बाद घर के बाहर बरामदे में फर्श पर सो रहे ट्रैक्टर चालक राजू गौतम (45) की गर्दन पर कई वार कर हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पीएम के लिये भेजने के साथ तीन लोगों को हिरासत में लिया है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर सुबूत जुटाए। पत्नी ममता ने बताया मंगलवार शाम आठ बजे पति गांव के बहादुर, अमित और अशोक के साथ शराब पीने गए थे। वहां किसी बात पर गाली गलौज हो गई। इसकी जानकारी पति ने उसे घर आकर दी थी। अनहोनी की आशंका के कारण वह रात बारह बजे तक जागती रही। उसके बाद उसे नींद आ गई। सुबह खून से लथपथ पति का शव मिला। गर्दन पर कई घाव थे। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया तहरीर के आधार पर बहादुर, अमित और अशोक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है। गांव के बहादुर ने बताया वह सुबह पांच बजे शौच के लिए उनके दरवाजे के पास से गुजर रहा था। वह खून से लथपथ पड़े थे। गर्दन से खून रिस रहा था। उनके घर के सभी लोग उस समय तक सो रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

कैंसर इलाज में अभूतपूर्व बदलावरू अपोलोमेडिक्स लखनऊ में अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी से सटीक इलाज

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार उत्तर प्रदेश बिहार क्षेत्र दिल्लीदृएन सी आर को छोड़कर में अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीकों द्वारा निप्पल–स्पेयरिंग ब्रेस्ट सर्जरी और आरआईएन–एमआईएनडी (रोबोटिक इन्फ्राक्लेविकुलर अप्रोच फॉर मिनिमली इनवेसिव नेक डिसेक्शन) तकनीक से गर्दन की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। इसके साथ ही अपोलोमेडिक्स में नियमित रूप से कोलोरेक्टल, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, स्त्री रोग और यूरोलॉजिकल कैंसर के लिए भी रोबोटिक सर्जरी की जा रही है। इस उन्नत तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सर्जरी के बाद शरीर की बनावट पर कोई असर नहीं पड़ता, जिससे मरीज की अपनी छवि को कोई नुकसान नहीं होता है और रिकवरी भी पारंपरिक सर्जरी की तुलना में कहीं तेज होती है। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, ष्हमारा उद्देश्य केवल कैंसर का इलाज करना नहीं, बल्कि मरीज की सर्जरी के बाद की जिंदगी की गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी है। ऐसी सर्जरीज देश के केवल गिने–चुने अत्याधुनिक केंद्रों पर होती हैं, जिनमें विशेषज्ञता और विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर दोनों की जरूरत होती है। अब उत्तर भारत के मरीजों को इन सर्जरीज के लिए दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु नहीं जाना पड़ेगा। अपोलो कैंसर सेंटर, लखनऊ अब क्षेत्र का सबसे सक्षम केंद्र बन चुका है।" डॉ. सतीश के. आनंदन, कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ने बताया कि लखनऊ की 60 वर्षीय महिला, जिन्हें दोनों स्तनों में कैंसर था, उनका क्षेत्र का पहला रोबोटिक निप्पल–स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी किया गया। ष्पारंपरिक सर्जरी में स्तन, निपल और त्वचा पूरी तरह हटा दी जाती है, जिससे मरीज को मानसिक और भावनात्मक आघात लगता है। रोबोटिक तकनीक के जरिये हमने बगल के पास कुछ छोटे चीरे लगाकर अंदर से ही कैंसरग्रस्त ऊतक को हटा दिया और त्वचा व निपल को सुरक्षित रखा। उन्होंने इसे "कॉस्मेटिक के साथ क्योर" का नाम दिया यानी शरीर की प्राकृतिक बनावट को बनाए रखते हुए कैंसर से मुक्ति को सम्भव किया गया। सर्जरी करीब 6 घंटे चली, मरीज को आईसीयू में भर्ती नहीं किया गया और केवल 3 दिन में डिस्चार्ज दे दिया गया। पहले ऐसी सर्जरी केवल बड़े शहरों में होती थीं, यह उत्तर प्रदेश बिहार क्षेत्र में पहली बार संभव हुई है।आरआईए–एमआईएनडी तकनीक से ओरल कैंसर की रोबोटिक गर्दन सर्जरी की गई, जिसका नेतृत्व डॉ. अभिमन्यु कड़ापथ्री, कंसल्टेंट, हेड एंड नेक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ने किया। डॉ. अभिमन्यु ने बताया, ष्पारंपरिक सर्जरी में गर्दन पर बड़ा चीरा लगता है, जिससे स्थायी निशान और धीमी रिकवरी होती है। आरआईए–एमआईएनडी तकनीक में हमने कॉलरबोन के नीचे छोटे चीरे लगाकर रोबोटिक इंस्ट्रूमेंट्स डाले और अंदर से लिम्फ नोड्स निकाल दिए। चेहरे या गर्दन पर कोई कट नहीं लगा। करीब 4 घंटे की सर्जरी में न केवल कॉस्मेटिक परिणाम बेहतरीन रहे बल्कि सटीकता भी उच्च स्तर की रही। इस तकनीक से ओरल कैंसर का इलाज इस क्षेत्र में पहली बार किया गया है।"

दिव्यांग,असाध्य बीमारी वाले शिक्षकों को मिलेगी वरीयता, शासन ने निर्देश किए जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में दिव्यांग, असाध्य बीमारी, कैंसर प्रभावित व दो साल से कम सेवाकाल वाले शिक्षकों को पदस्थापन (तैनाती) में वरीयता दी जाएगी। शासन ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को इसके लिए विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने मई में एलटी और प्रवक्ता ग्रेड के शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नत किया था। इसमें से 30 फीसदी शिक्षकों ने ही जॉइन किया। शिक्षक अपने पास के विद्यालयों में ही जाना चाहते थे। काफी संख्या में शिक्षकों ने अपनी पारिवारिक व स्वास्थ्य स्थितियों का हवाला देते हुए पदस्थापन में संशोधन के लिए विभाग में आवेदन किया था। विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि दिव्यांग, असाध्य बीमारी, कैंसर प्रभावित शिक्षक या उनके आश्रित को उनके द्वारा मांगे गए स्थान पर पदस्थापन किया जाएगा। यदि पद खाली न हो तो वरिष्ठता के क्रम में पास के विद्यालयों में पदस्थापन दिया जाएगा। जिन कार्मिकों का सेवाकाल दो साल से कम है, उनको उनकी अपेक्षानुसार खाली स्थान या पास के विद्यालयों में भेजा जाएगा। विशेष सचिव ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को निर्देश दिया है कि इसके अनुसार वरीयता के आधार पर दिए गए विकल्प के सापेक्ष पदस्थापन किया जाए। ऐसे में प्रधानाध्यापक के खाली पदों को भरने का रास्ता भी साफ हो गया है। विशेष सचिव ने अपने पत्र में इस बात पर नाराजगी भी जताई है कि जब पदस्थापन के लिए सूची निदेशालय द्वारा शासन को भेजी गई थी तो कुछ कार्मिकों को जॉइन कराकर फिर तबादला किस आधार पर किया गया? उन्होंने इसके लिए दोषी अधिकारियों के बारे में भी जानकारी मांग ली है। इसके बाद से विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। माना जा रहा है कि शासन इस मामले में विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई भी कर सकता है।

प्लॉट मिला, कब्जा नहीं...21 साल से आवंटी खाली हाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगर योजना में वर्ष 2004 में एलडीए ने आवंटियों को प्लॉट तो दे दिए, मगर उन पर अब तक कब्जा नहीं दे सका है। 21 साल से आवंटी खाली हाथ हैं। आवंटियों की जमीन पर अवैध झुग्गियां बस गई हैं और सभी संबंधित लोग प्राधिकरण के चक्कर काट रहे हैं। मंगलवार को एलडीए सभागार में मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में आयोजित नागरिक सुविधा दिवस में व्यापारी नेता हरिश्चंद्र अग्रवाल ने यह मुद्दा उठाया। हरिश्चंद्र ने बताया कि रामनगर योजना में 80 प्लॉट निकाले गए थे, जिनमें से 60 का आवंटन हुआ। इसमें उनकी बेटी और रिश्तेदारों को भी प्लॉट मिले। जब कब्जा लेने पहुंचे तो पाया कि जमीन पर अवैध झुग्गियों का कब्जा है। 21 साल बाद भी न कब्जा मिला, न सुनवाई हो रही है। मामले में मंडलायुक्त ने एलडीए को कार्रवाई के निर्देश दिए। बसंतपुर आवास कल्याण समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि बसंतकुंज सेक्टर ए योजना में पैसा जमा करने के बावजूद ना तो रजिस्ट्री हो रही है, ना ही कब्जा मिला है। सीतापुर रोड और अलीगंज विस्तार योजना के लिए 45 साल पहले 1800 किसानों से जमीन ली गई थी। आपसी सहमति से मुआवजा और व्यावसायिक चबूतरा देने की बात हुई थी, लेकिन आज भी कई किसानों को कोई लाभ नहीं मिला। भाकियू अवध के प्रदेश मंत्री जगदीश सिंह लोधी ने मंडलायुक्त को बताया कि 1400 फार्म आवंटित हुए, 829 पात्र, 290 अपात्र घोषित किए गए और 305 आवेदन गायब हैं।

वेंडिंग जोन शुल्क जमा नहीं, विक्रेता हटाए जा रहे कैसरबाग निवासी रामदयाल पाल ने शिकायत की कि वेंडिंग जोन संख्या 8 और 1 के विक्रेताओं का शुल्क अब तक जमा नहीं हो सका है, जिससे उन्हें वेंडिंग जोन से हटाया जा रहा है। नागरिक सुविधा दिवस में कुल 93 शिकायतें मिलीं, जिनमें एलडीए से 59, नगर निगम से 23, लेसा से 5, जलकल से 6 मामले जुड़े थे।

धर्मांतरण के लिए चेन्नई से होती थी फंडिंग... बैंक खाते से बड़ा खुलासा

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर के गांव रामपुरमथना मुराउनपुरवा में रविवार को सामने आए धर्मांतरण मामले में पुलिस ने पादरी सहित पांच आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। मामले के मुख्य आरोपी लखीमपुर खीरी निवासी पादरी के एक बैंक खाते से पता चला कि धर्मांतरण के लिए चेन्नई से फंडिंग होती थी। एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि लखीमपुर खीरी के पसगवां थाना क्षेत्र के बेहटा गांव निवासी पादरी विनोद पाल सिंह, उसकी पत्नी ज्योति के साथ मुराउनपुरवा निवासी अनंतराम, शुभकरन, रमित को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी विनोद लोगों को ईसाई बना रहा था। उसके कब्जे से तीन बाइबिल, ढोलक व धर्मांतरण की अन्य सामग्री बरामद हुई है। छानबीन में आरोपी का एक खाता सामने आया, जिसमें संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिले हैं। विनोद ने बताया कि लोगों को प्रलोभन देने के लिए उसे चेन्नई से धन प्राप्त होता है। इस धन का खर्च वह लोगों को ईसाई धर्म से जोड़ने व प्रार्थना भवन निर्माण कराने में कर रहा था। थाने की पुलिस ने साइबर अपराध थाने को रिपोर्ट भेजकर आरोपी के बैंक खाते को सीज करा दिया है। इसके साथ ही आरोपी के अन्य खातों का भी पता लगाया जा रहा है। ईसाई धर्म से संबंधित गैंग के संबंध में जानकारी की जा रही है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस मुख्य आरोपी के पास से मिली जानकारी के आधार पर कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। कई अन्य खातों के साथ ही, वे खाते जिनसे रुपये आ रहे हैं, उनकी भी जांच की जा रही है। आरोपियों के फोन को भी खंगाला जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि आरोपियों के फोन से कई ऐसे चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं, जो कि काफी समय से धर्मांतरण कराने में लगे हैं। गिरफ्तार पादरी विनोद का नेटवर्क चेन्नई तक ही सीमित नहीं, बल्कि उसके तार नेपाल से भी जुड़े होने की आशंका है। जांच में सामने आया है कि नेपाल बॉर्डर से भी कुछ संदिग्ध कॉल और फंडिंग की गतिविधियां की गई हैं। फिलहाल एसओजी टीम और साइबर सेल नेपाल कनेक्शन की गहराई से पड़ताल कर रही है।

संपत्तियां खरीदने में खर्च रकम का ब्योरा नहीं दे पा रहा छांगुर अवैध धर्मांतरण का आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर यूपी और महाराष्ट्र में खरीदी गई संपत्तियों के लिए जुटाई रकम का ब्योरा नहीं दे पा रहा है। ईडी द्वारा बीते 24 घंटे के दौरान पूछताछ के दौरान वह अपने विरोधियों पर झूठा फंसाने की बात कहता रहा। ईडी उससे उन लोगों के नाम उगलवाने की कोशिश कर रही है, जिनके जरिये अवैध धर्मांतरण के लिए विदेशी संस्थाओं से फंडिंग होती थी। सूत्रों के मुताबिक ईडी छांगुर के सामने उसके ट्रस्ट समेत सभी बैंक खातों के स्टेटमेंट रखकर पूछताछ कर रही है। यह भी सामने आया है कि उसने कुछ जमीनों को खरीदने के बाद अपने करीबियों को गिफ्ट कर दिया था। ईडी अब उन सभी लोगों को पूछताछ के लिए तलब करेगी। साथ ही, छांगुर के खिलाफ शिकायत करने वालों को बुलाकर उनके बयान दर्ज करेगी। मंगलवार सुबह पूछताछ शुरू होने पर वह बार–बार अपनी तबियत खराब होने का बहाना बनाता रहा, हालांकि अधिकारी उससे सख्ती से पूछताछ करते रहे।

डिप्टी सीएम से मिले बंसल, खुले ट्रांसफार्मर से सुरक्षा की मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। करंट से बढ़ रही मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री संदीप बंसल व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मंगलवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिले। उन्होंने सभी खुले ट्रांसफार्मर को ढकने की मांग की। कहा कि इस विषय पर तत्काल काम करने की आवश्यकता है, ताकि घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बंसल ने कहा कि ऑनलाइन व्यापार के लिए भी उत्तर प्रदेश में अलग से नीति बने, ताकि प्रदेश का खुदरा व्यापार बचा रहे।

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए छात्रों ने दी परीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। रोबोटिक्स और मैकेनिक्स की पढ़ाई के लिए मंगलवार को आईटीआई पास विद्यार्थियों ने मौखिक परीक्षा दी। सेवायोजन विभाग की ओर से देवा रोड स्थित टाटा मोटर्स कंपनी के परिसर में डिप्लोमा इन मेक्ट्रोनिक्स कोर्स में प्रवेश के लिए हुए साक्षात्कार में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। छात्रों ने बताया कि मौखिक परीक्षा व साक्षात्कार में सिविल, मैकेनिक्स, ऑटो मोबाइल, डीजल इंजन व नए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से सवाल पूछे गए। साथ ही टाटा कंपनी की ओर से बनाई जाने वाली मशीनों व संस्थान के बारे में जानकारी ली। जिला सेवायोजन अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने बताया कि कंपनी ने परीक्षा व साक्षात्कार लेकर सभी युवाओं को वापस भेज दिया है। बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में 90 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जो अभ्यर्थी किसी कारणवश साक्षात्कार में शामिल नहीं हो सके। उन्हें बुधवार को सुबह आठ बजे से परिसर में शामिल होने का मौका दिया गया है। साक्षात्कार में सफल अभ्यर्थियों को एक सप्ताह बाद फोन व ईमेल के जरिये जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि टाटा कंपनी की ओर से अप्रेंटिस एंड फ्री कोर्स ऑफ डिप्लोमा इन मेक्ट्रोनिक्स के दो वर्षीय पढ़ाई के दौरान चयनित विद्यार्थियों को 13,480 रुपये महीने का मानदेय भी दिया जाएगा।

ओ0आर0एस0 सप्ताह दिवस पर जन-जागरूकता का हुआ आयोजन

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा। जौनपुरः उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्य प्रो० डा० रुचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी के दिशा निर्देश में डा० ममता, विभागाध्यक्ष पीडियाट्रिक्स विभाग द्वारा ओ०आर०एस० सप्ताह दिवस पर जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा० ममता, विभागाध्यक्ष पीडियाट्रिक्स विभाग ने बताया कि ओ०आर०एस० सप्ताह भारत सहित पूरे विश्व में 25 जुलाई से 31 जुलाई, 2025 तक मनाया जाता है। जिसका थीम है– ष् ।`पउचसम `वसनजपवद वित `भ्मंसजीपमत थ्नजनतमष और स्लोगन हैरू ष्पच `उंतज, `जंल `जतवदह–`ल्मे ज्व व्त्ै्ष उन्होंने ओ०आर०एस० क्या है कैसे बनाना है और उसकी उपयोगिता पर चर्चा किया। शरीर में पानी की कमी का लक्षण, कब और कैसे ओ०आर०एस० देना है विस्तार से बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य प्रो० डा० रूचिरा सेठी ने ओ०आर०एस० के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ष्डायरिया से होने वाली मृत्यु को ओ०आर०एस० जैसे सरल व प्रभावी उपचार से रोका जा सकता है। यह प्रत्येक घर में उपलब्ध होना चाहिए, विशेषकर बच्चों के लिए।ष उन्होने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम ओ०आर०एस०–हर घर तक, हर हाथ तकष का संदेश लेकर गाँव–गाँव, गली–गली जाएं और प्रत्येक नागरिक को इसकी उपयोगिता बताएं। विशेषकर हमारी आशा बहनों, एएनएम कार्यकर्ताओं, मेडिकल छात्रों और शिक्षकों की भूमिका इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप प्रधानाचार्य, प्रो० डा० आशीष यादव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ओ०आर०एस० न केवल एक साधारण घोल है, बल्कि यह हमारे देश में विशेषकर बच्चों और वृद्धो के जीवन की रक्षा करने वाला एक अमूल्य सामाधान है। जब कोई बच्चा या व्यक्ति डायरिया या उल्टी–दस्त से पीड़ित होता है, तब शरीर से जल और लवण की भारी मात्रा में हानि होती है। ऐसी स्थिति में ओ०आर०एस० एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपचार है, जो निर्जलीकरण को रोककर जीवन बचा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में हर वर्ष लाखों बच्चों की मृत्यु केवल इसलिए हो जाती है क्योंकि उन्हें समय पर ओ०आर०एस० नहीं मिल पाता। यह अत्यंत दुखद है कि एक ऐसा उपचार जो केवल चुटकी भर नमक, चीनी और साफ पानी से बनता है, जानकारी के अभाव में लोगों तक नहीं पहुँच पाता। मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि डायरिया की स्थिति में बिना घबराए, ओ०आर०एस० का उपयोग करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। ओ०आर०एस० का सुझाव केवल सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों तक सीमित न रखें, इसे घर–घर और जन–जन तक पहुंचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। डा० अजय कुमार यादव, सहायक आचार्य, पीडियाट्रिक्स विभाग' द्वारा ओ०आर०एस० पर लाइव डेमो दिया गया कि घर पर ओ०आर०एस० का घोल कैसे बनाया जाये और सही समय पर उसका कैसे उपयोग किया जाय। 'डा० जय सूर्या, सहायक आचार्य, पीडियाट्रिक्स विभाग' के संरक्षण में एम०बी०बी०एस० बैच 2023 के छात्रो ने ओ०आर०एस० पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति किया गया, जिसमें लोगो को ओ०आर०एस० के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा० अरविन्द यादव, सहायक आचार्य, पीडियाट्रिक्स विभाग के द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के अन्त में कहा कि वायरस सप्ताह दिवस के अवसर पर आयोजित इस ज्ञानवर्धन एवं जागरूकता से परिपूर्ण कार्यक्रम में आप सभी की सक्रिय भागीदारी और उपस्थिति ने इसे वास्तव में सफल और प्रभावशाली बना दिया। और मैं समस्त उपस्थितजन का हृदय की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी आज से यह संकल्प लेकर लौट रहे हैं कि हम न केवल खुद सतर्क रहेंगे, बल्कि समाज को भी वायरल संक्रमणों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक प्रो० उमेश सरोज, डा० विनोद कुमार, डा० ले०क०सी०बी०एस० पटेल, डा० सरिता पाण्डेय, डा० अरविन्द पटेल, डा० आदर्श कुमार यादव, डा० चन्द्रभान, डा० जितेन्द्र कुमार, डा० विनोद वर्मा, डा० आशुतोष सिंह, डा० संजीव यादव, डा० मुदित चौहान, डा० पूजा पाठक, डा० तुमुल नन्दन, डा० बृजेश कन्नौजिया, डा० स्वाती विश्वकर्मा, डा० पंकज, डा० रेनु, डा० रेनु कोहली, डा० स्वाती प्रजापति एवं अन्य चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, कर्मचारीगण व मरीज तथा उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

शिव सत्संग मण्डल की भव्य कांवर यात्रा प्रमुख मार्गों से निकाली गई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)शिव सत्संग मण्डल की भव्य कांवर यात्रा प्रमुख मार्गों से निकाली गई । शिव सत्संग मण्डल की भव्य कावड़ यात्रा फर्रुखाबाद घटियाघाट से गंगा जल लेकर,हुल्लापुर , रूपापुर, पाली होते हुए शाहाबाद में जब प्रवेश किया तो समाजसेवियों एवं दर्शनार्थियों ने शिव भक्तों व कावड़ यात्रा में सम्मिलित लोगों का अबीर , गुलाल एवं पुष्प वर्षा कर अभिनन्दन किया। शिव सत्संग मण्डल के मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक के नेतृत्व में कावड़ यात्रा में विभिन्न मोहल्ले एवं गावों से जल भरने के लिए गए कांवड़िया एकत्रित हुए और प्रमुख मार्गो से ढोल नगाड़ों, गाजे बाजे एवं भव्य झांकियों के साथ कावड़ यात्रा मेन मार्केट से निकाली गई। पुलिस टीम की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह कावड़ यात्रा खेड़ा बीबीजई, गिगियानी, चौक, सर्राफा मार्केट, सदर बाजार, बड़ी बाजार, दिलेरगंज ,खत्ता जमाल खां ,मौलागंज बस स्टैंड महुआ टोला होते हुए शिव पुरी धाम हुसैना पुर धौकल की ओर रवाना हो गई। शोभा यात्रा में शिव भक्त डीजे और संगीत की धुनों पर भाव नृत्य कर रहे थे। तथा कांवड़ यात्रा में भगवान शिव के भक्ति गीत लोगों में भक्ति भावना जागृत कर रही थी। नाचते गाते कांवरिया एक दूसरे के ऊपर अबीर गुलाल फेंक रहे थे और जय भोले के जयकारों से सारे वातावरण को गुंजायमान कर रहे थे। कावड़ यात्रा का जगह–जगह भव्य स्वागत किया गया तथा कांवड़ियों के लिए पाली रोड के इंडेन गैस गोदाम पर मित्र परिवार द्वारा भंडारा आयोजित कर प्रसाद गृहण कराया गया। विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक गुप्ता, सुनील गुप्ता द्वारा कांवडियों को जलपान ग्रहण कराया गया।पाली तिराहा पर सत्संगी योगेश राजपूत व कार्यकर्ताओं ने जलपान की व्यवस्था की यहां पर कांवरियों ने जलपान ग्रहण किया। शिवपुरी धाम में नवनीत गुप्ता ने प्रसाद गृहण कराया। विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष हर्ष वर्धन सिंह,भाजपा एन जी ओ प्रकोष्ठ के सह जिला संयोजक मुकुल सिंह ष्आशाष, इंडेन गैस सर्विस के समाजसेवी सुविदानकर सिंह ष्पिंटूष, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, मित्र परिवार के अनुराग श्रीवास्तव, योगेंद्र यादव, संजय अग्निहोत्री,रमाकांत मौर्य,प्रभाकर बाजपेई, शिव प्रसाद श्रीवास्तव, संतोष कुशवाहा, अनिल सिंह, अनूप शर्मा,आजाद सिंह, पवन रस्तोगी सहित तमाम लोगों ने कावड़ियों का स्वागत किया। मण्डल के व्यवस्थापक यमुना प्रसाद, प्रेम कुमार,राम लखन, रामौतार, सत्यम सक्सेना , महात्मा शांतानंद, रमाकांत अवस्थी, भैयालाल आदि ने कांवर यात्रा को सजाने संवारने में विशेष योगदान किया।

बुजुर्ग सास को फेकने वाली बहू समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

(राजेश श्रीवास्तव)

अयोध्या। आखिरकार कलियुगी बहू व इसमे शामिल आरोपियों को अपने किये का सजा ही मिल गया।इन सभी को सजा दिलाने में थाना कोतवाली अयोध्या पुलिस,सर्विलांस के साथ साथ सीसीटीवी कैमरे की भी अहम भूमिका रही।पुलिस ने इसमें शामिल बहू समेत तीन आरोपियों को जेल भेज दिया।पुलिस ने यह कार्यवाई व्यापारी नेता पंकज कुमार गुप्त की तहरीर पर किया।उन्होंने अयोध्या कोतवाली में एक पुरुष और 2 महिला समेत कुल 3 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।24 जुलाई की रात अयोध्या के किशनदास पुर में 80 साल की बुजुर्ग महिला को रात 2 बजे सड़क पर फेंकने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तहरीर के मुताबिक अज्ञात आरोपियों ने जान बूझकर ऐसा काम किया कि बुजुर्ग की मौत हो जाए।जिससे पीडित व्यापारी नेता घटना से आहत होकर इस मामले में कड़ी कार्यवाही के लिए मुकदमा दर्ज कराना चाहते हैं।बताते चले कि पंकज गुप्ता रामपथ पर श्रृंगारहाट के रहने वाले है। बताते चले कि 24 जुलाई की रात दो बजे कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के दर्शन नगर पुलिस चौकी के किशनदास पुर गांव के पास 80 साल की बुजुर्ग महिला को उसकी बहू ने सिर्फ इसलिए सड़क पर फेंक दिया कि वह कैंसर से पीडित थी।राह चलते लोगों ने जब बुजुर्ग महिला को सड़क पर पड़े देखा, तो पुलिस को सूचना दी थी।पुलिस ने मानवता दिखाते हुए बुजुर्ग महिला को दर्शन नगर अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन अगले ही दिन उसकी मौत हो गई थी।इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद अयोध्या कोतवाली पुलिस एक्शन में आ गई थी।पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर बुधवार को बुजुर्ग महिला की बहू, एक महिला और युवक को हिरासत में लिया है।इस संबंध मे पुलिस ने बताया कि 80 वर्षीय जिस बुजुर्ग महिला भगवती को सड़क पर छोड़ा गया था, वह गोंडा की रहने वाली थी।एसएसपी अयोध्या डाक्टर गौरव ग्रोवर ने बताया कि हिरासत में ली गई मृतका बुजुर्ग महिला की बहू जया सिंह ने बताया कि मेरे ससुर बृजलाल की पहले ही मौत हो चुकी है।मेरी सास को 3–4 महीने से कैंसर था।इस वजह से वो बीमार रहती थी।बहू जया ने बताया कि मेरी शादी राजू सिंह से हुई है। पति को मेरे सास–ससुर ने गोद लिया था।वह शराब पीने का आदी है।घर पर कोई खर्च नहीं देता है।इसलिए आरोपी बहू अपनी सास का इलाज नहीं करा पा रही थी। 23 जुलाई की रात आरोपी बहू ने अपने पड़ोस में रहने वाली एक महिला और युवक को अपने साथ लिया।फिर एक ई–रिक्शा किया और सास को सड़क पर लिटा आई थी।बताया कि इस पूरी घटना का 1 मिनट 22 सेकेंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।इसमें दिख रहा है कि युवक ने जींस और शर्ट पहन रखी है, जबकि एक महिला सूट और दूसरी साड़ी पहने है।पुरुष और सूट पहने महिला बुजुर्ग को उठाकर सड़क किनारे रख देते हैं।फिर एक महिला उसे चादर से ढंक देती है।थोड़ी देर बाद दूसरी, साड़ी पहने महिला आती है और बुजुर्ग के चेहरे को देखती है।चेहरे से चादर हटा देती है।इसके बाद तीनों ई–रिक्शा में बैठकर चले जाते हैं।उनके जाने के बाद बुजुर्ग महिला करीब 10 मिनट तक हाथ–पैर हिलाती है, फिर हलचल बंद हो जाती है।बुजुर्ग महिला को फर्नीचर दुकान के बाहर छोड़ गए थे बुजुर्ग महिला को जिस दुकान के बाहर छोड़कर गए थे, दैनिक भास्कर वहां पहुंचा।जिस दुकान पर महिला को छोड़ा गया था, वह फर्नीचर की दुकान थी। हमने यहां के दुकान मालिक और फर्नीचर कारीगर घनश्याम वर्मा से बात की।उन्होंने बताया कि मैं सुबह 8.30 बजे आया,तो हमने देखा कि महिला यहां पर लेटी थी।मेरी दुकान में ही कैमरा लगा है, जिसमें पूरी घटना कैद हो गई। उन्होंने बताया कि मैंने पूछा कि माताजी आपका घर कहां है? लेकिन, वह कुछ बोल नहीं पा रही थीं।उनके गले में गांठ जैसा कुछ था।हमने पानी पिलाने की भी कोशिश की, लेकिन गांठ की वजह से वह पानी भी नहीं पी पा रही थीं। इसी बीच यहां पड़ोसी दुकानदार भी आ गए। फिर हमने पुलिस और एम्बुलेंस को बुलाया। जब बुजुर्ग महिला यहां से गई थी,तब उनको होश था।वहीं पड़ोसी दुकानदार रामदरश वर्मा ने कहा कि सुबह जब हम अपनी दुकान खोलने पहुंचे, तो महिला यहां पर लेटी थी। इसके बाद हमने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि जो भी लोग महिला को यहां छोड़कर गए हैं, उन पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।फिलहाल एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा,चौकी प्रभारी दर्शन नगर जगन्नाथ त्रिपाठी, सर्विलांस मे शामिल कर्मियों का विशेष सहयोग रहा। एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने इस घटना का खुलासा करने वाली टीम को पच्चीस हजार इनाम देने की घोषणा की।

बाबा बाजार में खाद के लिए किसानों की लंबी कतार

अयोध्या। विकासखंड मवई के बाबा बाजार में साधन सहकारी समिति गणेशपुर पर सुबह से ही खाद के लिए किसानों की लंबी कतार लगी हुई है।समिति के अध्यक्ष रोशन लाल गौतम ने बताया कि सुबह से ही किसान समिति पर इकट्ठा हो गए हैं।उन्होंने कहा कि अधिक भीड़ होने के कारण कार्य करना मुश्किल हो रहा था। किसानों के बीच आपस में बहस–विवाद भी हुआ। इसकी सूचना बाबा बाजार थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार आजाद को दी गई।थाना प्रभारी ने हेड कांस्टेबल बैजनाथ यादव और कांस्टेबल शशि यादव को सुरक्षा के लिए साधन सहकारी समिति पर तैनात कर दिया है।समिति अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि सभी किसानों को खाद मुहैया कराई जाएगी। किसानों का कहना है कि खाद न मिलने से उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। कई किसानों का आरोप है कि शासन–प्रशासन उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उनका मानना है कि अधिकारियों द्वारा उन्हें पूरी तरह से खाद वितरित नहीं की जा रही है।किसानों ने बताया कि एक आधार कार्ड पर केवल एक बोरी खाद ही दी जा रही है।

सावन मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए रामनगरी की स्वच्छता के लिए लगाए गए 1546 सफाई कर्मी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सावन झूला मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को रामनगरी में किसी प्रकार की गंदगी से सामना न करना पड़े, इसके लिए नगर निगम ने फूल प्रूफ तैयारी कर ली है। इसके तहत सफाई कार्य के लिए श्रमिकों के साथ ही मशीनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार बैठक एवं निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को अंतिम रूप दे चुके हैं।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि सफाई व्यवस्था की कमान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आरएम शुक्ल को सौपी गई है। रामनगरी को सफाई व्यवस्था की दृष्टि से धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, हनुमानगढ़ी व राम जन्मभूमि, दर्शन पथ, राम की पैड़ी, आरती घाट व पाप मोचन घाट एवं चौधरी चरण सिंह घाट क्षेत्र, अयोध्या धाम के अंतर्गत अन्य क्षेत्र के अलावा सीवर, नाला गैंग, सैनिटाइजर टीम, धुलाई टीम, रात्रि पाली आदि में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यहां सफाई के लिए कुल 1546 सफाई कर्मी लगाए गए हैं। इनकी निगरानी के लिए 75 पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है।उन्होंने बताया कि प्रथम पाली में 903, द्वितीय में 407 कर्मचारी तथा तृतीय पाली में 173 सफाई कर्मी लगाए हैं।इनकी निगरानी प्रथम पाली में 37, द्वितीय में 26 तथा तृतीय में 12 पर्यवेक्षक कर रहे हैं। इसके अलावा मुख्य मार्गों पर उत्कृष्ट सफाई की दृष्टिगत पांच मैकेनिक स्वीपिंग मशीनों को लगाया गया है, जो अलग–अलग मार्गों पर सफाई व्यवस्था को अंतिम रूप दे रहे हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र में सफाई के लिए 62 वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल ने मेलार्थियों से स्वच्छता के मद्देनजर खुले में शौच न करने का आह्वान किया है।उन्होंने शौचायलयों के उपयोग की अपेक्षा की है। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में 43 अस्थाई शौचालय हैं, जहां एक साथ 486 लोगों के शौच की सुविधा है। इसके अलावा 24 आरएफपी शौचालय है, जिसमें 501 सीटे हैं। टाटा शौचालय 18 हैं। कुल 30 सचल शौचालय हैं, जिसमें 180 सीटें लगाई गई हैं। इसके अतिरिक्त निगम में उपलब्ध 34 मोबाइल टॉयलेट भी नगर क्षेत्र में लगाए गए हैं।

महिला पुलिस कर्मियों ने छात्राओं व शिक्षिकाओं को किया जागरूक

अयोध्या। महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ आर्य कन्या इंटर कालेधन सहित कई स्कूलों पर जाकर छात्राओं व शिक्षिकाओं को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से जागरुक किया। इस मौके पर उन्होंने बैनर तथा पंपलेट व पोस्ट के माध्यम से केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जिसमें खासकर विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में

महिलाओं को जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने महिला अपराध से संबंधित अपराध गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया व उनसे निपटने के लिए आवश्यक टिप्स दिया। इस मौके पर उन्होंने छात्राओं व शिक्षिकाओं को किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। इस मौके पर महिला पीआरडी मीरा, तारा सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी मौजूद रही।

भू अभिलेख मांगने पर कर्मचारियों ने आवेदक को कार्यालय में किया बन्द, अधिकारी बोले होगी कार्यवाही

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,31 जुलाई । कचहरी परिसर में बुधवार शाम एक विवादास्पद घटना सामनेआई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने स्थित राजस्व विभाग के कक्ष में गौरक्षा रेस्क्यू टीम के संस्थापक को कार्यालय में बाहर से ताला लगाकर बंद कर दिया गया। संस्थापक संदीप पिछले डेढ़ साल से अपनी भूमि से संबंधित अभिलेखों के लिए कार्यालय के चक्कर लगा रहा है। कार्यालय में बंद होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सवाल यह है कि राजस्व कर्मचारियों ने उसको क्यो बन्द किया।घटना उस समय हुई जब संदीप अपनी निजी भूमि से संबंधित दस्तावेज मांगने गए थे। वहां मौजूद राजस्व कर्मियों ने उनके साथ अभद्रता की और उन्हें कमरे में बंद कर दिया। यह घटना कचहरी जैसे संवेदनशील और न्यायिक कार्यों के केंद्र में होने से प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय

लोगों का कहना है कि राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर पहले से ही अभिलेख जारी करने में अनावश्यक देरी करने का आरोप है। भ्रष्टाचार और मनमानी व्यवहार की शिकायतें भी आम हैं। लेकिन इस बार उन्होंने सीमाएं लांघ दीं।इस घटना के बाद प्रशासन से कई मांगें की गई हैं। इनमें घटना की निष्पक्ष जांच, दोषी राजस्व कर्मचारियों पर तत्काल निलंबन और कानूनी कार्रवाई शामिल है। साथ ही कचहरी परिसर में नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है। अभिलेख संबंधी कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा देने की भी मांग है। वहीं इस मामले में गुरुवार को जानकारी लेने पर अपर जिलाधिकारी भू राजस्व अजय अम्बष्ट ने बताया कि मामले कि जानकारी हुई है। घटना जान बूझकर की गई है या अनजाने में हुई है, लेकिन प्रथम दृष्टया कर्मचारी की गलती सामने आ रही है। जिस भी कर्मचारी ने यह गलती की है जांच कराकर उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

नौ पुलिस कर्मी हुए सेवानिवृत

अयोध्या। गुरुवार को नौ पुलिस कर्मी सेवानिवृत्त हुए। जिन्हे एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने अपने कार्यालय पर स्मृति चिन्ह देकर उनके द्वारा विभाग द्वारा किये गये कार्यों की सराहना किया।?

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने चौक सहित अन्य प्रमुख मार्गो पर चलाया चेकिंग अभियान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बुधवार को सावन मेला तथा आने वाले प्रमुख पर्वों को लेकर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा तथा अन्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ रेलवे स्टेशन,बस स्टेशन सहित अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। वहीं इसी कड़ी में उन्होंने मिशन शक्ति फेस – 5 अभियान के तहत विभिन्न चौराहों पर महिलाओं बालिकाओं तथा अन्य लोगों को शान द्वारा चलाई जा रही अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दिया।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बुधवार को शहर के चौक, रिकाबगंज, बजाजा, सुभाष नगर, गुदडी बाजार व प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियो महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण न योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ,प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन।

भाजपा सरकार पीडीए समाज के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है : राकेश मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,31 जुलाई।जोगियापुर स्थित निषाद बस्ती में समाजवादी पार्टी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल ने पीडीए पाठशाला की शुरुआत की। इस पाठशाला का उद्‌घाटन समाजवादी पार्टी जौनपुर के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने किया। कार्यक्रम में राकेश मौर्य ने कहा कि यह पाठशाला समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेरणा से शुरू की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पीडीए समाज के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। मौर्य ने कहा कि पूरे देश में पीडीए समाज अपने मौलिक अधिकार शिक्षा के लिए ऐसी पाठशालाएं खोल रहा है, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से 2027 में भाजपा को हराने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर जिला महासचिव आरिफ हबीब, जिला सचिव गुलाब यादव, महिला सभा की रेखा सिंह, सुशीला

यादव, पूनम यादव, शिवांगी यादव और मंजय कन्नौजिया मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चों को कॉपी, कलम सहित शिक्षण सामग्री वितरित की गई और उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।